



मैं अगले सीजन चेन्नई में वापसी कर कर सकता हूं। चेन्नई का आईपीएल 2025 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा। ये टीम इस सीजन में सिर्फ चार ही मैच जीत सकी और प्लेऑफ में नहीं जा सकी।

– सुरेश रैना

भारतीय बल्लेबाज, मैच के दौरान कमिटी करते हुए वापसी के संकेत दिये।

पैरा एथलीट सुमित अंतिल

और महेंद्र गुर्जर ने भाला फेंक

स्पर्धा में जीते स्वर्ण पदक



नॉटविल (स्विट्जरलैंड), 27 मई। भारतीय पैरा एथलीट सुमित अंतिल और महेंद्र गुर्जर ने विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धाओं को दो श्रेणियों में स्वर्ण पदक जीते। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार पैरालिंपिक में दोहरा स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित अंतिल ने नॉटविल वर्ल्ड पैराएथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 में पुरुष एफ 64 श्रेणी में 72.35 मीटर भाला फेंक कर में शीर्ष स्थान हासिल किया। महेन्द्र गुर्जर ने एफ 42 वर्ग में 61.17 मीटर भाला फेंक कर विश्व रिकॉर्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने शुरुआती दो प्रयास 56.11 और 55.51 मीटर भाला फेंका। उल्लेखनीय है कि स्विट्जरलैंड के नॉटविल में 23 से 26 मई तक विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2025 का आयोजन किया गया था।

### नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में मैग्नस कार्लसन ने डी. गुकेश को हराया

स्टॉवेंजर (नॉर्वे), 27 मई। नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश को मैग्नस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, महिला वर्ग में भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की शुरुआत की। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने सफेद मोहरों के साथ खेलते हुए नॉर्वे शतरंज के पहले दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को हराया और चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन करते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला 55 चालों के बाद समाप्त हुआ, जिसमें कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी की एक चूक का फायदा उठाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया। महिला वर्ग में भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। हम्पी ने शत और सटीक खेल का प्रदर्शन करते हुए अंतिम चरण में वैशाली की गलती का फायदा उठाते हुए जीत हासिल की। अमेरिका के हिकारू नाकामुरा और फेबियानो कारुआना के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। खेल के दौरान नाकामुरा ने ड्रा का प्रस्ताव रखा, लेकिन कारुआना ने काले मोहरों से खेलते हुए मुकाबला जीत लिया। वेई यी और अर्जुन एर्रिगैसी के बीच हुआ मुकाबला ड्रा रहा। इसके बाद ‘आर्मागंडन’ नामक शानदार खेल में अर्जुन ने वेई यी के दबाव से निकलते हुए जीत दर्ज की।

### ड्रीम यूटीटी जूनियर्स टूर्नामेंट कल अहमदाबाद में होगा शुरू

अहमदाबाद, 27 मई। ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) और अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सहयोग से अहमदाबाद में 29 मई से शुरू होने वाले ड्रीम यूटीटी जूनियर टूर्नामेंट में आठ टीमों के 16 खिलाड़ी खेलेंगे। अहमदाबाद के ईकैए एरिना में होने 29 मई से आठ जून तक होने वाले इस अंतर-15 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में देश भर के 16 प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपना प्रदर्शन करेंगे। इसमें आठ-आठ लड़के और लड़कियों के वर्ग खिलाड़ी है। इन खिलाड़ियों को आठ फ्रेंचाइजी में जगह दी गई है। यह टूर्नामेंट 11 दिनों तक चलेगा। इसमें पहले टाुप चरण के मुकाबले खेले जायेंगे। सेमीफाइनल सात जून और फाइनल आठ जून को खेला जायेगा।

### क्वलीफायर-एलिमिनेटर मुकाबलों पर तेज बारिश का साया

चंडीगढ़, 27 मई। चंडीगढ़ के पास बने मुल्लापूर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ मुकाबलों पर बारिश का खराब मंडरा रहा है। चंडीगढ़ में मौसम विभाग के डायरेक्टर सुरिंदर पॉल ने अनुमान बताया है कि 29 और 30 मई को यहां बारिश के साथ तेज हवा भी चलेगी। इसका असर चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा में दिखाई देगा। समस्या यह है कि मुल्लापूर स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ मुकाबले भी 29 और 30 मई को ही खेले जाने हैं। मौसम विभाग की इस चेतावनी पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का कहना है कि उनकी ओर से दोनों मैचों की पूरी तैयारी है। दोनों दिनों में बारिश कैसी होती है, इस पर उनकी नजर रहेगी। बता दें कि 22 मार्च से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग टूर्नामेंट अब अपने अंतिम चरण में है, 28 मई को कोई मैच नहीं है। क्वलीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले मुल्लापूर क्रिकेट स्टेडियम में होने हैं। हालांकि, इनमें कौन सी टीमों भिड़ेंगी, इसका फैसला आज के मैच के बाद होगा।

### सूर्यकुमार यादव एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

मुंबई, 27 मई। मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार यादव ने जारी सीजन में 14 पारियों में 640 रन बनाए हैं। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। मुंबई इंडियंस ने जारी सीजन में पांच अर्धशतक लगाए हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने मुंबई इंडियंस के लिए 2०1० में एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 618 रन बनाए थे। मुंबई इंडियंस के पूर्व बल्लेबाज सचिन का ये रिकॉर्ड 15 साल तक कायम रहा। आईपीएल 2025 में भी सूर्यकुमार यादव ने एक सीजन में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए थे।



## पंत ने बिखेरी चमक मगर जीत के साथ आरसीबी शीर्ष दो पर

लखनऊ, 27 मई। रिषभ पंत (118 नाबाद) के शानदार शतक पर विराट कोहली (54) और कप्तान जितेश शर्मा (85) के अर्धशतक भारी पड़ गये जिसके चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को आसानी से छह विकेट से हरा कर अंकतालिका में शीर्ष दो टीमों में अपनी जगह पक्की कर ली। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम पर एलएसजी ने पहले खेलते हुये तीन विकेट पर 227 रन बनाये जिसके जवाब में आरसीबी ने विजय लक्ष्य आठ गेंद शेष रहते चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बेंगलुरु के लिये विराट कोहली ने फिल साल्ट (30) के साथ तेज शुरुआत की और दोनों ने पहले पाँवर प्ले में दस से ऊपर के रन औसत से 61 रन बना लिये थे मगर साल्ट छठे ओवर में आकाश सिंह का शिकार बन कर पवेलियन लौट गये। उधर कोहली ने रन रफ्तार कम नहीं होने दी मगर वह भी अपना अर्धशतक पूरा होने के बाद ज्यादा समय तक क्रीज पर नहीं टिक सके और आवेश खान की गेंद पर आउट हो गये। इससे पहले विलियम ओरूकू ने रजत पाटीदार (14) और लियम लिविंग्स्टन (0) को लगातार दो गेंदे पर आउट कर एलएसजी की उम्मीदों को हवा दी मगर जितेश शर्मा ने मंयक अठावाल (41) के साथ मिल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। जितेश ने अपनी मैच जिताऊ पारी के दौरान मात्र 33 गेंदे

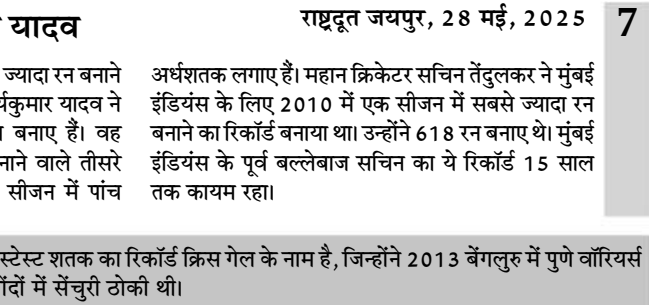


आज का खिलाड़ी ▶

सूर्यकुमार यादव

मुंबई इंडियंस के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव के नाम है। सूर्यकुमार यादव ने जारी सीजन में 14 पारियों में 640 रन बनाए हैं। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार ने जारी सीजन में पांच

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल में फास्टेस्ट शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 2०13 बेंगलुरु में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ खेलते हुए महज 3० गेंदों में सेचुरी ठोकी थी।



राष्ट्रदूत जयपुर, 28 मई, 2025

7

### आईपीएल 2025 फाइनल में गुंजेगा जय हिंद! बीसीसीआई ने तीनों सेना प्रमुखों और सैनिकों को भेजा निमंत्रण

नई दिल्ली, 27 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि तीनों सेनाओं के प्रमुखों, शीर्ष रैंक वाले अधिकारियों और सैनिकों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के लिए निमंत्रण भेजा गया है, जो 3 जून को अहमदाबाद में होगा। आईपीएल का खिताबी मुकाबला 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव के कारण टूर्नामेंट के चल रहे संस्करण को 9 मई को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, जिसमें पहलागाम आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर भी चलाया था।बीसीसीआई द्वारा यह कदम ऑपरेशन की सफलता का जश्न मनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सैकिया ने एएनआई को बताया कि हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए अहमदाबाद में होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए सभी भारतीय सशस्त्र सेना प्रमुखों (जनरल उपेंद्र द्विवेदी, थल सेना प्रमुख, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, नौसेना प्रमुख और एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, वायु सेना प्रमुख), शीर्ष रैंक के अधिकारियों और सैनिकों को आमंत्रित किया है। ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को पहलागाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की निर्णायक सैन्य प्रतिक्रिया थी। 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। हमले के बाद, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा और जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से गोलाबारी की और साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोन हमलों का प्रयास किया, जिसके बाद भारत ने एक समन्वित हमला किया और पाकिस्तान के 11 एयरबेसों में रडार इंफ्रास्ट्रक्चर, संचार केंद्रों और हवाई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाया।



## देश-विदेश के सोलह खिलाड़ियों को सॉफ्ट हॉकी एक्सिलेंसी अवार्ड



जयपुर, 27 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया और राजस्थान सॉफ्ट हॉकी एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में देश-विदेश के 16 उ्कृष्ट खिलाड़ियों को ‘सॉफ्ट हॉकी एक्सिलेंसी अवार्ड’ से सम्मानित किया गया।

समारोह जयपुर स्थित विधानसभा के कांस्टीट्यूशनल क्लब में संघर्ष हुआ, जहां उप मुख्यमंत्री दीपा कुमारी और मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तथा पहली सॉफ्ट हॉकी लीग में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए चयनित किए

गए थे। सम्मान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में सीनियर पुरुष वर्ग से 6, सीनियर महिला वर्ग से 5, जूनियर बालक वर्ग से 3 तथा जूनियर बालिका वर्ग से 2 खिलाड़ी शामिल हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा में मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, राजदीपक रस्तोगी कुमार लाखोटिया, डॉ. एम.एल. स्वर्णकार, प्रो. अमरीका सिंह, डॉ. अनुराग तोमर, आईजी संदीप चौहान और पूर्व ओलंपियन गोपाल सैनी, पूर्व कुलपति जे पी शर्मा, चंद्रशेखर दुबे (भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष), राजेंद्र सिंह (भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री दीपा कुमारी

### पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने अरावली क्रिकेट क्लब को हराया



जयपुर, 27 मई । जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति भी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए पहले सेमी फाइनल मैच में पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने अरावली क्रिकेट क्लब को 58 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नरेश गहलोत के 55 रन, रजत

छपरवाल के 34 रन, सौरभ चौहान के 39 रन, अजीम अख्तर के 23 रन, भैरा राम के 85 रनों से 40 ओवर में 9 विकेट पर 267 रन बनाए। अरवली क्रिकेट क्लब के लिए जय गोगयल ने 48 पर 2, देवेंद्र शर्मा ने 39 पर 2, शोभित मिश्रा, अमर सोनी व जुनेद अगवान ने एक – एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में अरवली क्रिकेट क्लब ने शोभित मिश्रा के 28 रन, कुणाल सिंह के 45 रन, देवेंद्र शर्मा के 50 रन, जय गोगयल के 16 रन हंसराज रोलानिया के 26 रन व रिषभ मोदी के 24 रनों से 40 ओवर में 9 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। पी टी क्रिकेट क्लब के लिए भैरा राम ने 44 पर 2, सुनील श्योरण ने 27 पर 2, चंद्र पाल सिंह ने 29 पर 2, रवि शर्मा, नरेश गहलोत व रजत छपरवाल ने एक – एक विकेट लिया। दूसरा सेमी फाइनल मैच यूनियन क्रिकेट क्लब व श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के मध्य खेला जाएगा।

## खेल विभाग के सचिव नीरज के. पवन ने जांच प्रक्रिया पर लगाई रोक

जयपुर, 27 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एड-हॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी और कमेटी के चार सदस्यों के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है । पाली क्रिकेट संघ के सचिव धर्मवीर सिंह शेखावत की अपील पर अपीलीय अधिकारी और खेल विभाग के शासन सचिव नीरज के पवन ने पूरी जांच प्रक्रिया पर रोक लगा दी है।

पाली जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ पाली रजिस्ट्रार ऑफिस द्वारा शुरू की गई जांच को खेल विभाग ने रोक दिया है। मंगलवार को खेल सचिव ने आदेश जारी कर पाली जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ करवाई को स्थगित कर दिया है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। इसे एड-हॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहानी का विरोध कर रहे धर्मनय सिंह के गुट के लिए बड़ी राहत माना जा

रहा है। वहीं खेल विभाग ने एंटी कर अब इस पूरी कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया है। जिसके बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का विवाद इस आदेश से आरसीए की एड-हॉक कमेटी में चल रहे विवादों को और परवाज लगने वाला है।

डॉ. नीरज के पवन ने बताया कि 24 अप्रैल के आदेश पर आगामी आदेशों तक रोक लगा दी है। मामले में अगली सुनवाई अब 14 जुलाई को होगी। शिकायत के आधार पर उप रजिस्ट्रार, पाली ने गत 24 अप्रैल को जो जांच के आदेश दिए थे, वो नियम विरुद्ध थे। नीरज पवन ने स्पष्ट तौर पर कहा कि 14 जुलाई को पाली क्रिकेट संघ के खिलाफ अगर दस्तावेजों में कोई भी अनियमितता

पाई जाती है तो जांच पर लगी रोक हटाई भी जा सकती है।

अपीलीय अधिकारी का ये रहा आदेश
उप रजिस्ट्रार, पाली द्वारा दिनांक 24.04.2025 को पारित किया गया आदेश राजस्थान खेल नियम, 2004 के नियम 8 की अनुपालना बिना ही जारी किया गया है। शिकायतकर्ता रमेश चौधरी जिला क्रिकेट संघ पाली से संबंधित किसी भी क्रिकेट संघ का शिकायत के समय 17 अप्रैल 25 को सदस्य नहीं था। इसलिए उसके पास खेल अधिनियम, 2005 के तहत शिकायत करने या कार्यवाही शुरू करने की माँग करने के लिए अपेक्षित अधिकार नहीं है। रमेश चौधरी द्वारा शिकायत में लगाये गये आरोप वर्ष 2०11 से संबंधित हैं, जिन पर इतने समय बाद विचार किया जाना उचित नहीं है।

#### एडहॉक कमेटी के कन्वीनर और चार सदस्यों के बीच विवाद की वजह यह रही

जयपुर, 27 मई। कुछ दिनों पहले डीसीए पाली के सचिव धर्मवीर सिंह को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में वित्तीय अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था। आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से जाय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो चूचना

मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था